© The State of Queensland (Queensland Health), 2009
Permission to reproduce should be sought from ip_officer@health.qld.gov.au

Queensland Government
Queensland Health

Patient Information Sheet (Hindi) - रोगी सूचना पत्र

Ultrasound - अल्ट्रासाउंड

1. अल्ट्रासाउंड (पराध्वनि चित्रण) क्या है?

अल्ट्रासाउंड स्कैन्स शरीर के आंतरिक अवयवों की जाँच करके बहुत सी स्थितियों का पता लगाने में सहायता करते हैं। धमनियों व शिराओं (नसों) में रोग का पता लगाने के लिये भी यह प्रक्रिया काम में ली जाती है।

अल्ट्रासाउंड मशीन में एक कम्प्युटर, एक प्रदर्शन स्क्रीन एवम् एक प्रॉब (एक यंत्र जो प्राप्त किये गये ऊर्जा सिग्नल का प्रकार बदल कर उसे दूसरी तरफ पहुँचाता है) होता है। प्रॉब हाथ में पकड़ा जाने वाला यंत्र होता है जो माइक्रोफोन के समान दिखता है।

अल्ट्रासाउंड तस्वीरों को लेने के लिये स्कैन किये जाने वाले हिस्से में, अल्ट्रासोनिक (हाई फ्रिक्वेंसी) ध्वनितरंगें भेजी जाती हैं।

अल्ट्रासाउंड में एक्स-रे किरणों को काम में नहीं लिया जाता।

2. क्या उसमें किसी प्रकार की तकलीफ होगी, किसी एनस्थैटिक (संवेदना रहित करने) की आवश्यकता होती है?

अल्ट्रासाउंड एक दर्द रहित प्रक्रिया है, इसमें एनस्थैटिक की जरुरत नहीं होती।

यदि किसी ऐसे हिस्से पर स्कैनिंग की जाती है जहाँ दर्द है, तो आप प्रॉब से दबाव या हल्की परेशानी महसूस कर सकते हैं।

3. प्रक्रिया के लिये तैयारी

शरीर के स्कैन किये जाने वाले हिस्से के आधार पर अलग अलग तरह की तैयारियों की जरुरत होती है।

मैडिकल इमेजिंग विभाग द्वारा आपको बताया जायेगा कि आप अपने स्कैन के लिये कैसे तैयारी करें।

4. प्रक्रिया के दौरान

उस कमरे की लाइटें मन्द कर दी जायेंगी ताकि पर्दे पर तस्वीरें अधिक स्पष्ट रुप से देखी जा सकें।

आपके शरीर के स्कैन किये जाने वाले हिस्से की चमड़ी पर अल्ट्रासाउंड जैल लगाया जायेगा। इस जैल से प्रॉब (जांच के काम आने वाला यंत्र) चमड़ी के ऊपर आसानी से फिसल सकता है जिससे अधिक स्पष्ट तस्वीरें लेने में सहायता मिलती है।

जिस हिस्से की जानकारी चाहिये उसके ऊपर प्रॉब को तब तक आगे पीछे घुमाया जाता है जब तक उस हिस्से का परीक्षण पूरा नहीं हो जाता।

स्कैन के दौरान आपको साँस रोकने या अलग अलग स्थितियों में घूमने (लुढ़कने) के लिया कहा जा सकता है।

स्कैन पूरा होने के बाद आपकी चमड़ी से जैल पौंछ दिया जायेगा।

इस अल्ट्रासाउंड में 15 से 60 मिनट तक का समय लगेगा। यह समयावधि आपके शरीर के स्कैन किये जाने वाले हिस्से और जाँच के प्रकार पर निर्भर करेगी।

अल्ट्रासाउंड के द्वारा किये जाने वाले कुछ अध्ययनों में, प्रॉब को शरीर के प्राकृतिक रुप से खुले मुँह वाले भाग के अंदर डाला जाता है।

इन प्रोसिजर्स में शामिल हैं:

- ट्रांसरैक्टल (मलद्वार के अन्दर की तरफ से किया जाने वाला) अल्ट्रासाउंड, जिसमें प्रोस्टेट (पुरुषों के शरीर में एक ग्रंथी) के निरीक्षण के लिये पुरुष के रैक्टम (मलद्वार) में प्रॉब डाला जाता है।
- ट्रांसवैजाइनल अल्ट्रासाउंड, जिसमें गर्भाशय एवम् अंडाशय के निरीक्षण के लिये महिला की वैजाइना (योनी) के अंदर प्रॉब डाला जाता है।

  इन प्रक्रियाओं से हल्की सी तकलीफ हो सकती है, यदि आप निजी (इंटिमेट) जाँच करवा रहे हैं तो कर्मचारी द्वारा आपको उस प्रोसिजर का विवरण दिया जायेगा और उसे करने के लिये आपसे मौखिक सहमति ली जायेगी।

  इन प्रोसिजर्स के समय एक अन्य कर्मचारी भी कमरे में उपस्थित रह सकता है।

5. इस विशेष प्रक्रिया के क्या - क्या खतरे हैं?

अल्ट्रासाउंड से होने वाले खतरों के बारे में ज्ञात नहीं है। इसे एक बहुत ही सुरक्षित प्रोसिजर माना जाता है।

मेरे डॉक्टर/ हैल्थ प्रैक्टिशनर से जो बातें करनी हैं:

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

09/2009 - V 1.0

Queensland Government

PATIENT INFORMATION SHEET ONLY

NO DOCUMENTED CONSENT REQUIRED

Unless patient is renal impaired

If a documented consent is required

Interpreter Services *must* be accessed